सत्यमेव जयते
भारत सरकार

अश्विनी वैष्णव
रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी
और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
भारत सरकार

संदेश

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भाषा मनुष्य के लिए भावों और विचारों के आदान-प्रदान का साधन है। यह देश की सभ्यता और संस्कृति को सहेजने का कार्य भी करती है। हिंदी भाषा के वैज्ञानिक स्वरूप तथा समूचे देश में इसकी व्यापक पहुंच को ध्यान में रखते हुए भारत की संविधान सभा ने **14 सितंबर, 1949** को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया था। तभी से प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को **हिंदी दिवस** के रूप में मनाया जाता है।

भारतीय जनमानस से सीधे तौर पर जुड़े होने के कारण सूचना और प्रसारण मंत्रालय और इसकी मीडिया यूनिटों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है कि वे सरकार के विविध कार्यक्रमों का हिंदी में प्रचार-प्रसार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। हालांकि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया में हिंदी भाषा का प्रभाव पहले की तुलना में बढ़ा है। तथापि, इस मंत्रालय के माध्यम से इसका और अधिक विस्तार किए जाने की आवश्यकता है ताकि आम जनता को सरकारी नीतियों का पूरा लाभ मिल सके। अतः भारतीय लोकतंत्र में जन भागीदारी को और अधिक बढ़ाने के उद्देश्य से मैं सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा इसकी मीडिया यूनिटों के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से अपील करता हूं कि वे केवल अनुवाद पर निर्भर न रहकर अपना अधिक से अधिक सरकारी कामकाज मूल रूप से राजभाषा हिंदी में करें। इसके लिए हिंदी शब्द सिंधु, ई-पत्रिका पुस्तकालय, ई-सरल हिंदी वाक्यकोश जैसे आईटी टूल्स का प्रयोग किया जा सकता है।

आइए, "**हिंदी दिवस**" के इस पुनीत अवसर पर हम सभी राजभाषा हिंदी के प्रति अपने संवैधानिक दायित्व एवं प्रतिबद्धता को दोहराएं और यह संकल्प लें कि हम सरकारी कामकाज में सरल, सहज हिंदी का प्रयोग बढ़ाएंगे और अपने सहकर्मियों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

नई दिल्ली
14 सितंबर 2024

(अश्विनी वैष्णव)